जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 18 | संख्याः 177 | प्रभात | चूरू, शुक्रवार 23 अक्टूबर, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

आज का दिन नानी और दोहिते के नाम रहा

नानी सोनिया गांधी को उनकी आत्मकथा की पहली कॉपी मिली, वहीं दोहिते रेहान राजीव वाड्रा को उनकी फोटो प्रदर्शनी से 75 तस्वीरें हटाने का आदेश मिला है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। आज का दिन एक नानी और उनके दोहित्र के नाम रहा।

उनकी कहानियाँ दो बिल्कुल अलग-अलग तरह की भावनाएं दर्शाती हैं। एक तरफ जश्न, कामयाबी और खुशी थी, तो दूसरी तरफ निराशा, दुख और अपनी आज़ादी छिन जाने की पीड़ा थी।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हाथों में आज उनकी सद्य-प्रकाशित आत्मकथा "बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव" थी। प्रकाशकों ने उन्हें इसकी पहली प्रति सौंपी, जिसे उन्होंने अपनी बाहों में ऐसे थाम रखा था, जैसे कभी अपने बच्चों के जन्म के समय उन्हें अपनी गोद में लिया करती थीं।

वे खुश थीं, उनके चेहरे पर मुस्कान थी और पहली बार उन्होंने इंस्टाग्राम का इस्तेमाल किया, जहाँ उनकी आत्मकथा को पेश किया गया था।

सोनिया गांधी ने पहली बार सोशल मीडिया पर कदम रखा, शायद इसलिए, क्योंकि युवा पीढ़ी, जिन्हें आज "जेन ज़ी" कहा जाता है, तक पहुँचने का यह सबसे बेहतरीन और तेज़ ज़रिया है।

- **सोनिया गांधी अपनी आत्मकथा, "बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव" की प्रति हाथों में थाम कर बेहद खुश दिखीं और पहली बार इंस्टाग्राम पर आईं तथा जैन ज़ी से मुखातिब हुईं।**
- **उनकी इस किताब में उनके जन्म, कैम्ब्रिज में पढ़ाई और राजीव गांधी से मुलाकात, शादी और भारत में हुए तमाम अनुभवों का विस्तृत ब्यौरा है।**
- **सोनिया के दोहिते, प्रियंका के पुत्र रेहान एक उभरते हुए फोटोग्राफर हैं और दिल्ली के बीकानेर हाउस में उनकी फोटो प्रदर्शनी होने जा रही है।**
- **लेकिन सरकार ने उन्हें 75 फोटो हटाने का आदेश दिया है, क्योंकि ये सभी फोटो दिल्ली में जैन ज़ी के मार्च में हुए प्रोटेस्ट में पुलिस की क्रूरता को दर्शाते हैं।**

10 नवंबर को आधिकारिक तौर पर रिलीज़ होने के बाद, यह किताब एक बड़ी बैस्ट सैलर बन सकती है।

यह बहुप्रतीक्षित किताब कैसे और किसके द्वारा लोकार्पित की जाएगी, यह अभी भी केवल अटकलों का विषय है।

इसी के ठीक सामने रेहान आर. वाड्रा हैं, जो सोनिया गांधी के दोहिते और उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे हैं।

एक उभरते हुए फोटोग्राफर और कलाकार, युवा रेहान अपनी तस्वीरों को बीकानेर हाउस में प्रदर्शित करने के लिए पूरी तरह तैयार थे। बीकानेर हाउस, इंडिया गेट के ठीक सामने लुटियंस दिल्ली के केन्द्र में स्थित एक सांस्कृतिक और कला केन्द्र है।

एक ऐसी घटना, जिसने देश के राजनीतिक, कलात्मक और सांस्कृतिक हलकों में हलचल मचा दी है, रेहान से उनकी 75 तस्वीरें हटाने के लिए कहा गया। इन तस्वीरों में दिल्ली में जेन ज़ी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों को दिखाया गया था, खासकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन, संसद तक का मार्च, और देश की राजधानी के बीचों-बीच पुलिस की बर्बरता के दृश्य।

रेहान ने मीडिया से बात की, अपनी निराशा जताई और सवाल किया कि ऐसा क्यों हो रहा है?

लोकतंत्र भारतीय मूल्यों का हिस्सा है, और यह हमारी सांस्कृतिक व कलात्मक पहचान का भी एक अहम हिस्सा है, लेकिन मौजूदा शासन में, ऐसी घटनाएं अब आम बात हो गई हैं।

दो तस्वीरें, दो अलग-अलग भावनाएं, और जवाब की तलाश में दो किरदार।

यही है नया भारत।

तिब्बत में 7.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग, 22 अक्टूबर। दक्षिण-पश्चिमी तिब्बत क्षेत्र में गुरुवार रात 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भारत के नैशनल सैंटर फॉर सैस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार रात करीब 8:03 बजे आया इसका केन्द्र जमीन से 173 कि.मी. की गहराई पर था। शुरुआती रिपोर्ट में जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है।

भूकंप का केन्द्र उत्तरी तिब्बत के नागचू क्षेत्र के एक ऊंचाई वाले जिले में जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। केन्द्र के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे में औसत ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 4,864 मीटर बताई गई है। भूकंप के झटके स्थानीय क्षेत्र में स्पष्ट रूप से महसूस किए गए।

- **अभी तक कोई जान-माल की हानि की सूचना प्राप्त नहीं हुई।**

भूकंप का केन्द्र तिब्बत की राजधानी ल्हासा से लगभग 400 किलोमीटर दूर था। सीईएनसी के मुताबिक, जनवरी 2024 के बाद चीन में आया यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है।

इससे पहले, वर्ष 2010 में पड़ोसी छिंगहाई प्रांत के युशू क्षेत्र में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस आपदा में कम से कम 2,698 लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 300 लोग लापता हो गए थे। युशू भूकंप का केन्द्र मौजूदा भूकंप के क्षेत्र से लगभग 280 किलोमीटर दूर था।

पंजाब में दोनों अकाली गुटों से अलग-अलग गठबंधन करेगी भाजपा

इसके लिए कई महीनों से पर्दे के पीछे वार्ता चल रही है और कभी भी गठबंधन की औपचारिक घोषणा हो सकती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि "पंजाब में एनडीए की सरकार बनने जा रही है।" इस बयान के बाद, चुनाव से पहले भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), साथ ही अकाली दल के अन्य छोटे गुटों, के बीच गठबंधन की अटकलें फिर से तेज हो गई हैं।

दिल्ली में 8,941 करोड़ रुपये की यमुना पुनरोद्धार परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा: "पंजाब में इस बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है।" उन्होंने "भाजपा सरकार" के बजाय, "एनडीए सरकार" का जिक्र जानबूझकर किया है। यह बयान उनके इस साल के उस दावे से उलट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी और अपनी सरकार बनाएगी।

खबरों के अनुसार, सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले मुख्य शिरोमणि अकाली दल के अलावा, उससे अलग हुआ शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) गुट भी इन चर्चाओं में शामिल है। पुनर सुरजीत गुट के जिन प्रमुख नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, उनमें बीबी जागीर कौर, गुरप्रताप सिंह वडाला, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और गोबिंद सिंह लोंगोवाल शामिल हैं। इस प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है कि दोनों अकाली गुट अलग-अलग इकाइयों के रूप में एनडीए में शामिल हों। इससे उन्हें बिना किसी औपचारिक विलय के, एक साथ काम करने का मौका मिलेगा, ठीक उसी तरह, जैसा बिहार में देखने को मिला था। पर्दे के पीछे कई महीनों से बातचीत चल रही

- **गठबंधन का संकेत अमित शाह के इस बयान से भी मिला, जब उन्होंने कहा कि पंजाब में एनडीए की सरकार बनेगी, जबकि पूर्व में उन्होंने कहा था भाजपा सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और पंजाब में अपनी सरकार बनाएगी।**
- **भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की टीम, जिसमें पंजाब के प्रभारी सतीश पूनिया भी शामिल हैं, शिरोमणि अकाली दल से अलग हुए गुट पुनर सुरजीत के नेताओं से भी बात कर रहे हैं।**
- **अगर यह गठबंधन हो गया तो सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा का पलड़ा भारी रहेगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने अमित शाह को जन्म दिन की बधाई दी

एक्स पर लिखे बधाई संदेश में प्र.मंत्री ने आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने और माओवाद उन्मूलन अभियान के लिए शाह की तारीफ की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके 62वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में शाह के योगदान की सराहना की और माओवाद के खिलाफ अभियान को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया।

एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि शाह की प्रशासनिक समझ ने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। उन्होंने माओवाद के खिलाफ मिली प्रगति को खास तौर पर उल्लेखनीय बताया तथा साथ ही, नशामुक्त समाज बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने शाह के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की, ताकि वे जनता की सेवा करते रहें।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने "मोआवाद" का विशेष उल्लेख किया और कहा कि शाह ने अकेले दम पर यह कर दिखाया है।**

मोदी का माओवाद के खिलाफ अभियान का जिक्र शाह के संसद में किए गए एक बड़े दावे के सात महीने बाद आया है। 30 मार्च को, सरकार की ओर से तय समय-सीमा से एक दिन पहले, शाह ने लोकसभा में कहा था कि भारत नक्सलवाद से लगभग मुक्त हो चुका है और माओवादियों के केन्द्रीय तथा राज्य स्तरीय नेतृत्व ढांचे लगभग पूरी तरह खत्म कर दिए गए हैं।

31 मार्च 2026 की समय-सीमा काफी पहले तय की गई थी। शाह ने जून 2025 में रायपुर में भी इस लक्ष्य को दोहराया था। उन्होंने कहा था कि पिछले 35 वर्षों में माओवादी हिंसा के कारण करीब 40,000 लोगों की जान गई है। वर्ष 2025 में उन्होंने यह भी कहा था कि विद्रोहियों को संघर्षविराम की कोई पेशकश नहीं की जाएगी। लोकसभा में अपने बयान के दौरान, शाह ने पिछले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली नगर निगम बैठक में भाजपा व आप पार्षद भिड़े

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दिल्ली के सिविक सेंटर में गुरुवार (22 अक्टूबर) को नगर निगम सदन की बैठक के दौरान विकास फंड और प्रदूषण को लेकर जमकर हंगामा हुआ। आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि माइक खींचने, पानी और फाइलें फेंकने के आरोप लगे। हालात बिगड़ने पर मार्शल महापौर प्रवेश वाही को सुरक्षित बाहर ले गए। बैठक के बाद महापौर ने आप पार्षदों पर सदन में हंगामा करने का आरोप लगाया और कहा कि मामले को कार्रवाई के लिए निगम की अनुशासन समिति के पास भेज दिया गया है।

- **महापौर प्रवेश वाही को मार्शल सुरक्षित बाहर ले गये।**

सदन में पार्षदों को मिलने वाले विकास फंड को लेकर भी खूब बहस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्राइम ब्रांच की पूछताछ पर नहीं आए सीजेपी नेता

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सौरव दास व आशुतोष रांका को पूछताछ के लिए तलब किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका गुरुवार को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की जांच में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने एजेंसी को सूचित किया है कि वे अभी उपलब्ध नहीं हैं और उन्होंने कुछ और समय मांगा है।

इन दोनों नेताओं को गुरुवार दोपहर 12 बजे राजौरी गार्डन स्थित क्राइम ब्रांच कार्यालय में अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। यह मामला 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर उनके विरोध प्रदर्शन से जुड़े दो मामलों से संबंधित है।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, दास और रांका ने जांच टीम को बता दिया है कि वे अभी उपलब्ध नहीं हैं और जांच में शामिल होने के लिए और समय मांगा है। उम्मीद है कि क्राइम ब्रांच अब उन्हें एक नई तारीख और समय बताते हुए फिर से समन जारी करेगी।

- **दोनों नेताओं ने अनुपलब्ध होने की बात कह कर उपस्थित होने के लिए और समय मांगा।**
- **पुलिस ने अजिंक्य शिंदे को भी समन भेजा है। इन नेताओं पर प्रतिबंधित क्षेत्र में जबरन घुसने और सरकारी अफसरों का आदेश नहीं मानने के आरोप हैं।**

पुलिस सूत्रों ने यह भी बताया कि सीजेपी सदस्य अजिंक्य शिंदे को भी इस जांच के सिलसिले में बुलाया गया था। इन मामलों में, बिना अनुमति कहीं घुसने और किसी सरकारी अधिकारी के आदेशों का पालन न करने जैसे आरोप शामिल हैं।

दास और रांका एक हफ्ते तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद तिहाड़ जेल से रिहा हुए हैं और उसके अगले ही दिन यह घटनाक्रम सामने आया है।

दिल्ली पुलिस ने 13 अक्टूबर की घटना से जुड़े मामलों को आगे की जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है। इनमें से एक मामला कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, जबकि दूसरा संसद मार्ग (पार्लियामेंट स्ट्रीट) पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था।

पुलिस के अनुसार, दास, रांका और सीजेपी के अन्य सदस्यों ने जंतर-मंतर इलाके में घुसने की कोशिश की थी। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप था कि मतदाता सूची के "विशेष गहन पुनरीक्षण" में गड़बड़ियां हुई हैं।

बताया जा रहा है कि यह समूह बैरिकेड्स पार करके एक निजी प्रतिष्ठान के रास्ते उस इलाके में घुस गया, जिसके बाद पुलिसकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में सरकारी अधिकारी के आदेश का पालन न करने, बिना अनुमति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेहा बोरा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा की दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने दोनों पक्षों की ओर से विस्तृत दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया। कोर्ट कल, यानी 23 अक्टूबर को फैसला सुनाएगा।

- **नेहा बोरा ने 10,000 रु. का निजी मुचलका भरने व शांति बनाए रखने का निर्देश देने वाले आदेश को चुनौती दी है।**

सुनवाई के दौरान नेहा बोरा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड में एक सदी से लॉक हिमालयी फॉल्ट से 8.1 तीव्रता का भूकंप आ सकता है

एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, उत्तराखंड में एक बड़ा भूगर्भीय फॉल्ट पूरी तरह से लॉक है, इसके कारण धरती की प्लेटें खिसक नहीं पा रही हैं, जिससे भारी मात्रा में दबाव बढ़ रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। शोधकर्ताओं ने पाया है कि हिमालय के नीचे स्थित भूगर्भीय दरार (फॉल्ट) पूरी तरह से और मजबूती से लॉक है, जिससे लगभग एक सदी में 8.1 तीव्रता के भूकंप के बराबर दबाव जमा हो गया है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह भविष्यवाणी नहीं की जा सकती कि भूकंप कब आएगा।

एक नए वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, उत्तराखंड के हिमालय के नीचे की जमीन चुपचाप भारी मात्रा में ऊर्जा जमा कर रही है, जो भविष्य में एक शक्तिशाली भूकंप के रूप में बाहर निकल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि इस क्षेत्र के नीचे स्थित एक बड़ी भूगर्भीय दरार (फॉल्ट) पूरी तरह से लॉक है। इसके कारण धरती की प्लेटें सामान्य रूप से खिसक नहीं पा रही हैं और समय के साथ दबाव बढ़ता जा रहा है।

अध्ययन का अनुमान है कि जमा हुई यह ऊर्जा लगभग 8.1 तीव्रता के भूकंप से निकलने वाली ऊर्जा के बराबर है। इस खोज ने उत्तराखंड और उससे सटे गंगा के मैदानी इलाकों, जहाँ करोड़ों लोग रहते हैं, के लिए भूकंप के दीर्घकालिक खतरे को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

हालांकि, वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब यह नहीं है कि हर 100 साल में इतनी तीव्रता का भूकंप आएगा या फिर ऐसा भूकंप जल्द आने वाला है। इस शोध में यह समझने की कोशिश की गई है कि धरती की सतह के नीचे दबाव कैसे बनता है। इससे यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि जमा हुई ऊर्जा कब बाहर निकलेगी।

- **वैज्ञानिकों के अनुसार, एक सदी में 8.1 की तीव्रता के भूकंप के बराबर दबाव जमा हो गया है, जिससे कभी भी भारी भूकंप आ सकता है।**
- **वैज्ञानिकों ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या यह भूकंप हर 100 साल में आएगा या फिर यह निकट भविष्य में कभी भी आ सकता है।**
- **यह स्टडी तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दिव्य शक्ति पांडा, मृदुल यादव, एरिक ओ. लिंडसे और जी. श्रीनिवास राव ने की है और शोध में धरती के नीचे दबाव बनने की प्रक्रिया को समझाने की कोशिश की है।**

इस अध्ययन का शीर्षक है, "उत्तराखंड हिमालय में टेक्टोनिक प्लेटों के बीच मजबूत जुड़ाव के प्रमाण: जीएनएसएस और एलओएस-2 इनसार के अवलोकनों से प्राप्त निष्कर्ष।" यह अध्ययन तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दिव्यशक्ति पांडा, मृदुल यादव, एरिक ओ. लिंडसे और जी. श्रीनिवास राव ने किया है।

शोधकर्ताओं ने उत्तराखंड हिमालय के नीचे स्थित फॉल्ट की गतिविधियों को समझने के लिए जमीन पर लगे सैटेलाइट नेविगेशन स्टेशनों के आँकड़ों और एक जापानी उपग्रह द्वारा ली गई रडार तस्वीरों का इस्तेमाल किया है।

यह एक ऐसा फॉल्ट है, जो स्वतंत्र रूप से खिसक नहीं रहा है। हिमालय का निर्माण भारतीय और यूरेशियन टैक्टॉनिक प्लेटों के लगातार टकराने से हुआ है। ये पृथ्वी की बाहरी परत के विशाल हिस्से हैं, जो भूगर्भीय समय के दौरान धीरे-धीरे खिसकते रहते हैं।

जैसे-जैसे भारतीय प्लेट यूरोशियन प्लेट के नीचे उत्तर की ओर बढ़ती है, दोनों के बीच की चट्टानों पर भारी दबाव पड़ता है। जहाँ, कुछ हिस्से धीरे-धीरे खिसक सकते हैं, वहीं, दूसरे हिस्से घर्षण के कारण फंस जाते हैं। ऐसा होने पर दोनों प्लेटें एक-दूसरे पर दबाव डालती रहती हैं। इससे आसपास की चट्टानें मुड़ने लगती हैं और उनमें ऊर्जा जमा होती रहती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु के मंत्री 26 लाख तक की कार खरीद सकेंगे

चेन्नई, 22 अक्टूबर। तमिलनाडु सरकार ने मंत्रियों और वरिष्ठ विधायी पदाधिकारियों के लिए सरकारी कार खरीदने की अधिकतम सीमा 26 लाख रुपये तय की है, जबकि अन्य विधायकों के लिए यह सीमा 15 लाख रुपये होगी। राज्य सरकार ने विधानसभा सदस्यों के यात्रा भत्ता नियमों में संशोधन करते हुए इस संबंध में नई अधिसूचना जारी की है।

- **विधायकों के लिए यह सीमा 15 लाख होगी।**

नए नियमों के तहत, मुख्यमंत्री के मंत्रिमंडल के सदस्यों के अलावा, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष और सरकारी मुख्य सचेतक 26 लाख रुपये तक की कार खरीद सकेंगे।

अन्य विधायकों को 15 लाख रुपये तक के वाहन की पात्रता होगी। इस सीमा में कार की एक्स-शोरूम कीमत, कर, पंजीकरण शुल्क और मोटर बीमा प्रीमियम सहित सभी खर्च शामिल होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)